

मात्रायोग : णाढुाझाग

चतुर्थः पाठः

आकारयोगः (था कार झाग)

क् + आ (I) = का
(खा गा घा चा छा जा)

काक :



पादः



पताका



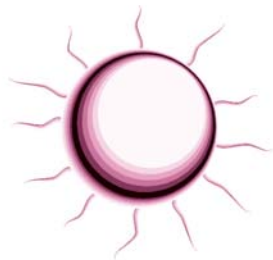
माला



इकारयोगः (इ कार झाग)

क् + इ (i) = कि
(खि गि घि चि छि जि)

रविः



गिरिः



विडालः



बालिका



गुडार्थ - रविः = धूर्य, विडालः = विराडि, गिरिः = धर्वत

ईकारयोगः

(ଇ କାର ଯୋଗ)

क् + ई (ी) = की
(खी गी घी ची छी जी)

नदी



शशी



कदली



वीणा



उकारयोगः

(ଉ କାର ଯୋଗ)

क् + उ (ू) = कु
(तु थु दु धु नु पु)

शिशुः



तरुः



मुखम्



शुनकः



ଶବ୍ଦାର୍ଥ - ଶଶୀ = ଜହ୍ନ, ଶୁନକଃ = କୁକୁର, ମୁଖମ୍ = ମୁହଁ

ଓ଼କାରଯୋଗ: (ଓ଼ କାର ଯୋଗ)

କ୍ + ଓ଼ (ୌ) = କୃ
(ପୂ ଫୁ ବୁ ଭୂ ମୂ ଯୁ)

ମୂଷିକ:



ବଧୂ:



କୂପ:



ମୟୂର:



ଋକାରଯୋଗ: (ଋ କାର ଯୋଗ)

କ୍ + ଋ (ୠ) = କୃ
(କୃ ଗୃ ଚୃ ଛୃ ଜୃ ପୃ ମୃ ସୃ)

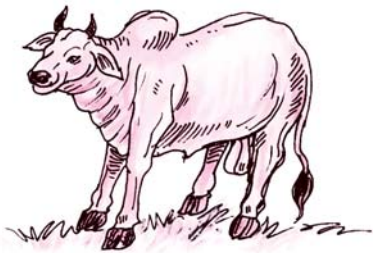
ମୃଗ:



ବୃକ:



ବୃଷଭ:



କୃଷକ:



ଶବ୍ଦାର୍ଥ - ବୃକଃ = ହେଟାବାଘ (ଗର୍ଭୁଆ), ବୟୃଃ = ବୋହୂ

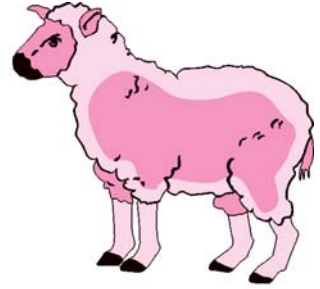
एकारयोगः (२ कार योग)

क् + ए (ॐ) = के
(रे ले वे शे षे से हे)

भेकः



मेषः



केशः



पेचकः



ऐकारयोगः (३ कार योग)

क् + ऐ (ॐ) = कै
(गै पै बै मै सै है)

कैरवम्



सैनिकः



शैलः

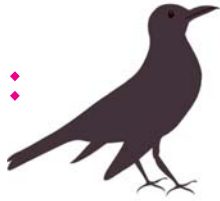


शब्दार्थ - कैरवम् = कर्कश, शैलः = पर्वत, पेचकः = घेरा, शैलः = पर्वत

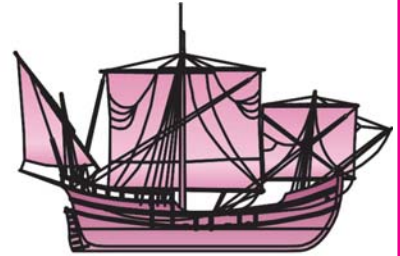
ओकारयोगः (ॐ कार द्वाग)

क् + ओ (े) = को
(गो घो पो बो भो मो सो शो)

कोकिलः



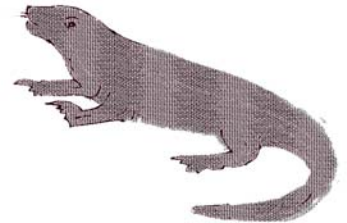
पोतः



गोलकम्



गोधा



औकारयोगः (ॐ कार द्वाग)

क् + औ (ै) = कौ
(गौ पौ मौ सौ शौ हौ)

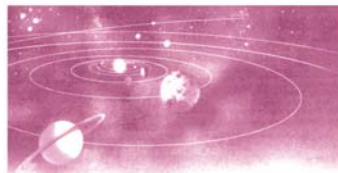
नौका



सौधः



सौरजगत्



शब्दार्थ - कोकिलः = कोकिलि, घोडा = जाहाज, गोधा = गेढू, शौधः = कोठाघर

अनुस्वार: “०” ଅନୁସ୍ଵାରଃ

क् + अं (ँ) = कं
(खं गं घं चं जं पं बं सं हं)

हंस:



सिंह:



वंशी



शंख:



विसर्ग: “ः” ଦିଶର୍ଗ ‘ଃ’

क् + अ: (:) = कः

शिर:



धनु:



सर:



नख:



ଶବ୍ଦାର୍ଥ - ବଂଶୀ = ବଇଁଶୀ, ଶିରଃ = ମୁଣ୍ଡ, ସରଃ = ପୋଖରୀ

ଅଭ୍ୟାସ : (ଅଭିପାଦନ)

୧. ଶବ୍ଦାନୁସାର ଚିତ୍ର ଯୋଜୟତୁ (ଶବ୍ଦ ଅନୁଯାୟୀ ଚିତ୍ର ସଂଯୋଗ କର)

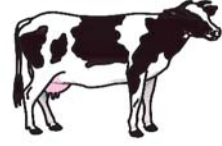
ଶୁନକ :



ଧେନୁ :



ବାନର :



କଦଳୀ



ଆଳୁକମ୍



ସେବମ୍



ବିଡାଲ :



ପେଚକ :



ଗୋଲଦୀପ :



ରେଲଯାନମ୍



ବୃଷଭ :



୨. ସଞ୍ଜୀକରୋତୁ (ସଜାଇ ଲେଖ)

ଯଥା ତା ପ କା = ପତାକା

ତଥା (କ) ଲୀ କ ଦ = (ଚ) କ: ଷ କୃ =

 (ଖ) ଭ: ଘୃ ଷ = (ଛ) କ ମ ର: =

 (ଗ) ଚ ପେ କ: = (ଜ) ଶ କ: ଶ =

 (ଘ) କୋ ଲ: କି = (ଝ) ମ ଲ କ ମ୍ =

 (ଙ) ର: ମ ଯୁ = (ଞ) ଶା ଓ ଡି =

୩. କୁମ୍ଭସ୍ଥିତବର୍ଣ୍ଣ ନୟତୁ ଶବ୍ଦ ଲିଖତୁ ।

କୁମ୍ଭରେ ଥିବା ଅକ୍ଷରକୁ ନିଅ, ଶବ୍ଦ ଲେଖ ।

(କ)

(ଖ)

(ଗ)

(ଘ)



ତୁମ ପାଇଁ କାମ -

୧) ବିଭିନ୍ନ କଣ୍ଠେଇ କରି ତା'ର ସଂସ୍କୃତ ନାମ ଲେଖ ।

୨) ବହିରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଚିତ୍ର ଗୁଡ଼ିକ ସଂଗ୍ରହ କରି ଖାତାରେ ଲଗାଇ ତା'ର ସଂସ୍କୃତ ନାମ ଲେଖ ଶିକ୍ଷକଙ୍କୁ ଦେଖାଅ ।